स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

जनवरी 2014

वर्ष-8 अंक-01 (पूर्णांक 300)

संपादन एवं संचालन

एकलव्य

ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,

शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016

फोनः 0755 - 2550976 0755 - 2671017

ई-मेलःsrote@eklavya.in, srotefeatures@gmail.com

www.eklavya.in

संपादक
सुशील जोशी

सहायक संपादक
अफसाना पठान

आवरण
बोस्की जैन

उत्पादन सहयोग
कमलेश यादव
राकेश खत्री
इंदु नायर

वितरण
कायनात ज़र्रीन

वार्षिक चंदा
व्यक्तिगत 150 रुपए
संस्थागत 300 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

धूमकेतु आइसॉन दिखने लगा है / सूरज के तेज को नहीं झेल पाया आइसॉन		2
कुत्ते पालतू कब और कहां बने?		3
बालाजी की कृपा से मंगल यात्रा	डॉ. सुशील जोशी	4
क्या मंगल पर जीवन की उम्मीद है?	जयकुमार	6
मंगलयानः क्या प्रत्येक व्यक्ति के 4 रुपए चुराए	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	8
क्लीनिकल परीक्षण, नैतिकता और अप्रकाशित आंकड़े		10
वैज्ञानिक साहस के लिए पुरस्कार		10
क्या सूक्ष्मजीव आपको मोटा बनाते हैं?		12
सूक्ष्मजीव देते हैं लकड़बग्घे को पहचान		12
शरीर को युवा बनाने वाला जीन		13
मनोवैज्ञानिक अध्ययन दोहराए जा सकते हैं		14
हिममानव - वास्तविकता या कपोलकल्पना?	डॉ. अरविन्द गुप्ते	15
आंगनवाड़ी सुधार पर भी ध्यान दें	भारत डोगरा	17
विज्ञान के पथिक - आचार्य जगदीशचंद्र बोस	नवनीत कुमार गुप्ता	18
अल्प-परिचित सूक्ष्म तत्व सेलीनियम	डॉ. दिनेश मणि	23
आपदाओं में हज़ारों जीवन बचाना एक बहुमूल्य उपलब्धि	भारत डोगरा	24
एक फूल तीन माली!	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	25
पुरुष गुणसूत्र के बिना भी काम चल सकता है		26
पोलियो का सफायाः भारतीय सफलता की कहानी	डॉ. टी. जेकब जॉन	28
विकास की क्षमता का विकास		31
सोना क्यों इतनी अहमियत रखता है?	एस. अनंतनारायणन	32
तेल कुंओं में गैस भरने से आए भूकंप		34
स्तनपान के लिए नगद प्रोत्साहन / अदृश्य पदार्थ का कोई चिंह नहीं मिला		35
प्राणियों के नामकरण का संकट टला		36
बर्फ की सड़कें और वज़न की ढुलाई		37

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है। यहां प्रकाशित सामग्री का उपयोग गैर व्यावसायिक कार्यों के लिए करने हेतु किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। स्रोत का उल्लेख अवश्य करें।